सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट-2018

टाइम्स ऑफ इंडिया, द ट्रिब्यून, (07 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट- 2018 जारी की है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।
- डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या वार्षिक 1.35 मिलियन हो गई है। यह भी बताया गया कि विश्व में प्रत्येक 23 सेकेंड में सड़क दुर्घटना के कारण एक मौत होती है।
- रिपोर्ट में बताया गया कि 5 से 29 वर्ष की आयु के बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारक सड़क हादसों में लगी चोट है।
- इस रिपोर्ट से पता चलता है कि कुछ मध्यम और उच्च आय वाले देशों में मौजूदा सड़क सुरक्षा प्रयासों के कारण इस स्थिति में कमी आई है।

मुख्य बिंदु

- अफ्रीका में सड़क यातायात में होने वाली मृत्यु की दर सबसे अधिक (प्रति 100,000 की जनसंख्या पर 26.6) है और यूरोप में सबसे कम (प्रति 100,000 की आबादी पर 9.3) है।
- रिपोर्ट के पिछले संस्करण के बाद से दुनिया के तीन क्षेत्रों- अमेरिका, यूरोप और पश्चिमी प्रशांत में सड़क यातायात की मौत दरों में गिरावट आई है।
- सड़क यातायात में होने वाली कुल मौतों में मोटरसाइकिल सवार और यात्रियों की हिस्सेदारी 28% है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में यह अनुपात अधिक है। उदाहरण के लिये, दक्षिण-पूर्व एशिया में यह 43% और पश्चिमी प्रशांत में 36% है।
- सड़क सुरक्षा पर WHO की वैश्विक स्थिति रिपोर्ट हर दो से तीन साल जारी की जाती है और सड़क सुरक्षा कार्यवाही के दशक 2011-2020 हेतु महत्त्वपूर्ण निगरानी उपकरण के रूप में कार्य करती है।
- सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट-2018 ब्लूमबर्ग फिलेंथ्रोपिज द्वारा वित्त पोषित है।

भारत के संदर्भ में रिपोर्ट

- डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की दर प्रति 100,000 पर 22.6 है।
- भारत के शहरों में यातायात दुर्घटनाओं में कमी आई है और मीडिया अभियानों तथा मजबूत प्रवर्तन के माध्यम से अधिकाँश शहरों में शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की संख्या में कमी आई है।
- भारत ने लोगों की सुरक्षा के लिये आवश्यक अधिकांश नियमों को स्थापित किया है, लेकिन ये नियम सड़कों पर होने वाली मौतों के आँकड़ों को कम करने में असफल रहे हैं।
- रिपोर्ट में पाया गया कि सतत् विकास लक्ष्य 2030 की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये सरकारों को अपने सड़क सुरक्षा प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है।.

कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन

Pib, **इकनोमिक टाइम्स, बिजनेस स्टैण्डर्ड, (07 Dec.)**

संदर्भ

- हाल ही में नीति आयोग ने 07 दिसंबर, 2018 को कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन की शुरूआत की है।
- राष्ट्रीय कृत्रिम बौद्धिकता रणनीति में 'कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए' बहुत अहमियत रखती है। नीति आयोग ने एक विश्व हैकथॉन का

GS World Committed To Excellence

आयोजन किया है।

उद्देश्य

- इस आयोजन के द्वारा विकास में आने वाली विभिन्न चुनौतियों को हल करने के लिए प्रौद्योगिकीय और नवाचार संबंधी उपाय सुझाए जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- नीति आयोग ने सिंगापुर आधारित एक कृत्रिम बौद्धिकता स्टार्टअप 'पर्लिन' के साथ मिलकर "कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए" की शुरूआत कर रहा है।
- इसके लिए नीति आयोग कृत्रिम बौद्धिकता एप्लीकेशंस के विकास के लिए छात्रों, स्टार्टअप और कंपनियों को आमंत्रित कर रहा है।
- "कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए" की घोषणा कृत्रिम बौद्धिकता सम्मेलन में की गई थी, जिसका आयोजन नीति आयोग ने ओआरएफ के साथ मुंबई में नवंबर, 2018 में किया था।
- यह हैकथॉन दो चरणों में चलेगा। पहला चरण 15 जनवरी, 2019 को और दूसरा चरण 15 मार्च, 2019 को समाप्त होगा। दूसरे चरण में केवल पहले चरण से चुने गए प्रतिभागी शामिल होंगे।
- पहले चरण में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, कृषि, शहरीकरण और वित्तीय समावेश जैसे क्षेत्रों के संबंध में विचार आमंत्रित किए जाएंगे। दूसरे चरण में इन विचारों को विकसित किया जाएगा।

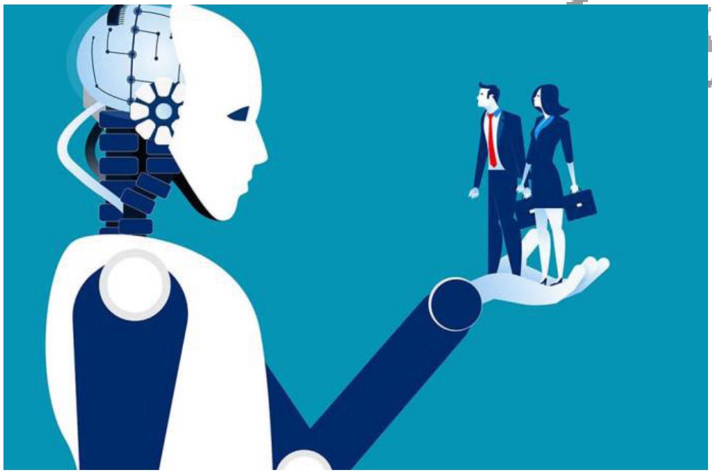

विजेताओं को पुरस्कार:

- विजेताओं को 50 हजार अमेरिकी डॉलर की धनराशि से पुरस्कार दिया जाएगा, जो नकद और गैर-नकद रूप में होगा।
- प्रतिभागियों को हैकथॉन सह-प्रायोजकों की तरफ से सलाह और समर्थन भी दिया जाएगा।
- इसके तहत प्रतिभागियों को सह-प्रायोजकों के एआई एप्लीकेशंस का जायजा लेने तथा उनको लागू करने का अवसर मिलेगा।

भारत की जीडीपी दर

इकनोमिक टाइम्स, बिजनेस टुडे, (07 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में फिच रेटिंग्स ने भारत के वर्तमान वित्त वर्ष 2018-19 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर के अनुमान को 7.8% घटाकर 7.2% कर दिया है।
- फिच ने ज्यादा लागत और ऋण उपलब्धता में कमी के चलते अनुमान घटाया है।

मुख्य बिंदु

- फिच ने जारी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में कहा कि वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर क्रमशः 7 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।
- फिच रेटिंग्स ने जून में 2019-20 के लिए 7.5% ग्रोथ का अनुमान जारी किया था। एजेंसी ने वर्ष 2019 के अंत तक रुपये के 75 प्रति डॉलर का स्तर छूने की आशंका जताई है।
- इस समय रुपया 71 रुपये प्रति डालर के आसपास चल रहा है।

फिच रेटिंग्स क्या है?

- फिच रेटिंग्स विश्व की तीन सबसे बड़ी रेटिंग एजेंसियों में से एक है।
- इसके अतिरिक्त अन्य दो प्रमुख एजेंसियां मूड़ीज और स्टैण्डर्ड एंड पूअर्स हैं। इसका मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित है।
- इसका पूर्ण स्वामित्व हेअर्स्ट कॉरपोरेशन के पास है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एक किस्म की कंपनी होती है, जो क्रेडिट रेटिंग प्रदान करती है। यह ऋणी द्वारा समय पर ऋण के भुगतान अथवा डिफॉल्ट की सम्भावना की योग्यता का अनुमान लगाती है।
- सिक्योरिटी व एक्सचेंज कमीशन ने वर्ष 2003 में कांग्रेस को एक

रिपोर्ट जमा की, जिसमें क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की प्रतिस्पर्धा विरोधी कार्य प्रणाली और ब्याज संबंधी विवादों से युक्त मुद्दों के लिए एक जांच बैठाने की योजना के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया था।

- क्रेडिट रेटिंग का प्रयोग निवेशकों, ऋण निर्गमित करने वाली संस्थाओं, निवेश बैंक, दलालों-व्यापारियों और सरकार द्वारा किया जाता है।
-

चीन का Chang'm-4 नामक अंतरिक्षयान

इकनोमिक टाइम्स, (07 Dec.)

संदर्भ

- चीन ने Chang'e-4 नामक एक खोजी अंतरिक्षयान प्रक्षेपित किया है जो चाँद के पिछले अँधेरे भाग की खोज करेगा।
- चाँद के छिपे हुए पार्श्व पर उतरने वाला यह विश्व का पहला खोजी यान होगा।
- इस अन्तरिक्ष यान का नाम चीन की चन्द्रदेवी के नाम पर रखा गया है। चीन के चन्द्र-अभियान श्रृंखला की यह चौथी कड़ी है।

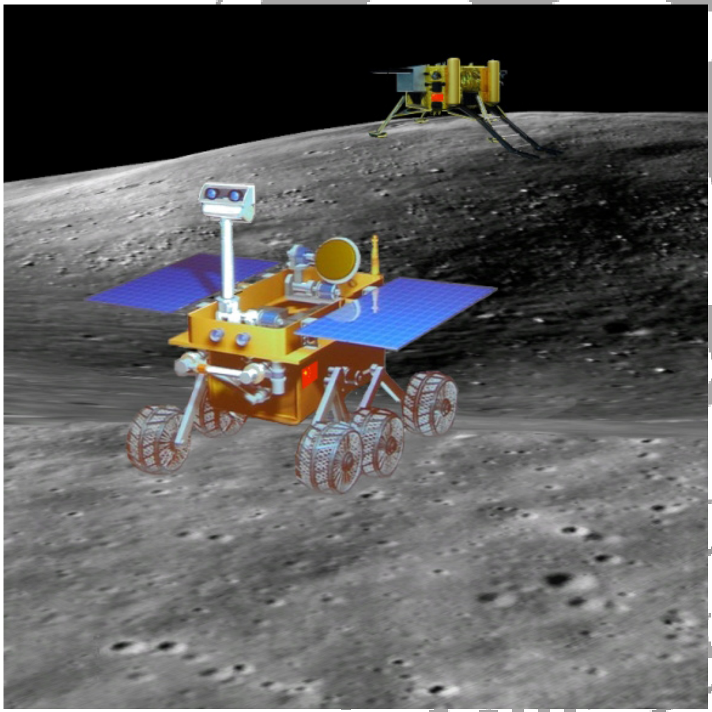

पृष्ठभूमि

- सर्वविदित है कि पृथ्वी से चाँद का पिछला भाग नहीं दिखता है क्योंकि यह उसी गति से घूमता रहता है जिस गति से चाँद हमारे ग्रह की परिक्रमा करता है।
- Chang'e-4 चाँद के इस अन्धकारमय पार्श्व पर उतरेगा। अभी तक कोई भी अन्तरिक्षयान इस भाग पर उतरा नहीं है।
- चाँद के इस भाग को 'South Pole-Aitken Basin' कहा जाता है जो अन्तरिक्ष-वैज्ञानिकों के लिए आज भी एक पहेली है।
- यदि यह अभियान सफल हो जाता है तो चीन इस मामले में अमेरिका एवं रूस को पीछे छोड़ देगा।

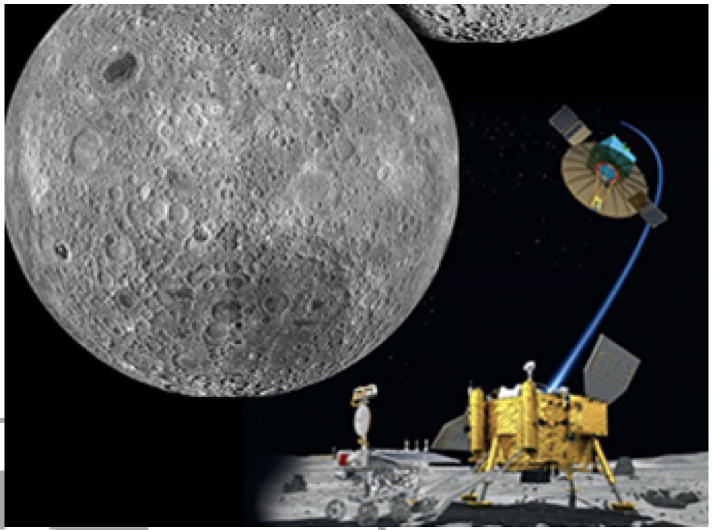

समस्याएं

- Chang'e-4 के साथ सबसे बड़ी समस्या यह हो सकती है कि जब वह चाँद की पिछली ओर उतरेगा तो चीन के वैज्ञानिकों का उससे संचार टूट सकता है।
- यदि संचार व्यवस्था भंग हो जाती है तो इस समस्या से उबरने के लिए रेडियो टेलिस्कोप जैसे विकल्प का सहारा लेना होगा।
-

कृषि निर्यात नीति-2018

pib, बिजनेस स्टैण्डर्ड, इकनोमिक टाइम्स, (07 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश की पहली कृषि निर्यात नीति 2018 को मंजूरी प्रदान की।
- इस नीति का मकसद 2022 तक कृषि उत्पादों का निर्यात 60 अरब डॉलर करना है ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके, जो अभी 37 अरब डॉलर है।

लाभ

- कृषि निर्यात नीति व्यवस्था के माध्यम से किसानों को निर्यात के अवसरों का लाभ मिलेगा।

- इस नीति से अधिकतर जैविक और प्रसंस्कृत आहार के निर्यात पर अंकुश समाप्त हो जाएगा तथा कृषि उत्पादों के निर्यात के कई रास्ते खुलेंगे।

उद्देश्य

- कृषि निर्यात नीति का मकसद क्षेत्र से चाय, कॉफी, चावल व अन्य जिंसों के निर्यात को बढ़ावा देना है।
- इससे वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- कैबिनेट के इस फैसले के बाद सरकार को विदेशी बाजारों में एक्सपोर्ट हिस्सेदारी को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- इस नीति में ढांचागत सुविधाओं का आधुनिकीकरण, उत्पादों का मानकीकरण, नियमन को बेहतर बनाना, बिना सोचे फैसलों पर अंकुश और शोध एवं विकास गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है।
- नीति के तहत जैविक उत्पादों के निर्यात पर लगे सभी तरह के प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया गया है। इस नीति के क्रियान्वयन में अनुमानित 1,400 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव होगा।
- प्याज जैसे घरेलू जरूरतों के कुछ प्रमुख कृषि उत्पादों को छोड़कर सभी जैविक और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों से निर्यात प्रतिबंध हटा लिया जाएगा।
- इस नीति में कृषि निर्यात से जुड़े सभी पहलुओं पर गौर किया गया है।
- सरकार ने कृषि निर्यात दोगुना करने और भारतीय किसानों और कृषि उत्पादों को वैश्विक मूल्य शृंखला से जोड़ने के मकसद से व्यापक कृषि निर्यात नीति बनाई है।
- इस नीति का मकसद अगले कुछ साल में 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करना है।
- केंद्र सरकार पिछले कुछ समय से किसानों के निशाने पर है। किसानों के प्रति सरकार के खिलाफ काफी रोष पनप रहा है। लेकिन नई पॉलिसी आने के बाद किसानों को काफी राहत मिलने के आसार हैं।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. कृषि निर्यात नीति के तहत 2022 तक कृषि उत्पादों के निर्यातों की सहायता से किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया।
2. कृषि निर्यात नीति का उद्देश्य चाय, कॉफी चावल व अन्य जिंसो के निर्यात को बढ़ावा देना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत में सड़क यातायात में होने वाली मृत्यु की दर सर्वाधिक जबकि यूरोप में सबसे कम है।
2. सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2018 को जारी करने में ब्लूमवर्ग फिलेथ्रोपिज द्वारा वित्त प्रदान किया जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

3. हाल ही में कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन की शुरूआत भारत में किसके द्वारा किया गया?

(a) नीति आयोग
(b) इसरो
(c) आई.आई.टी.कानपुर
(d) आई.आई.एससी. बैंगलुरू

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. अमेरिकन क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. में है।
2. फिच द्वारा 2020-21 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रखा गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

5. निम्नलिखित में से चेंग-4 अंतरिक्षयान किस देश द्वारा प्रक्षेपित किया गया है?

(a) जापान
(b) चीन
(c) सिंगापुर
(d) दक्षिण कोरिया